MHD–13

एम. ए. हिंदी (एम. एच. डी. ओ. एल.)

उपन्यास : स्वरूप और विकास

Time : 3 Hours

Maximum Marks : 100

नोट : i) खण्ड 'क' से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

ii) खण्ड 'ख' से किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

iii) खण्ड 'ग' से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

खण्ड-'क' (5×4=20)

1. उपन्यास में देशकाल के महत्व पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
2. उपन्यास और जीवनी के आपसी संबंध को समझाइए।
3. शैली के आधार पर उपन्यास की व्यंग्यात्मक शैली की समीक्षा कीजिए।
4. इंग्लैंड के लोकतांत्रिक उभार और उपन्यास को संक्षेप में समझाइए।
5. भारतीय उपन्यासों में स्थानीयता की अभिव्यक्ति का उल्लेख कीजिए।
6. 'भारतीय उपन्यासों ने राष्ट्रीय रूपक की भूमिका निभाई है।' इस कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
7. हिन्दी उपन्यासों में आंचलिकता को संक्षेप में समझाइए।

खण्ड-'ख' (5×10=50)

8. उपन्यास के पाठक वर्ग पर अपने विचार प्रकट कीजिए।
9. उपन्यास के उदय के कारणों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
10. उपन्यास रचना के प्रमुख उद्देश्य के मुख्य बिन्दुओं पर प्रकाश डालिए।
11. उन्नीसवीं सदी के रूसी उपन्यासों पर सोदाहरण चर्चा कीजिए।
12. भारतीय उपन्यास के संदर्भ में स्त्री-विमर्श के विभिन्न पहलुओं पर प्रकाश डालिए।
13. नवजागरण की अवधारणा को स्पष्ट कीजिए।

14. हिन्दी उपन्यासों में सामाजिक-राजनीतिक परिदृश्य की विवेचना कीजिए।

खण्ड-'ग' (2×15=30)

15. उपन्यास की भाषा के मुख्य बिन्दुओं की चर्चा कीजिए।

16. हिन्दी के उपन्यासों में किसान-मजदूर और निम्नवर्ग की संवेदना की अभिव्यक्ति पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

17. भारतीय उपन्यासों में ग्रामीण जीवन के यथार्थ की अभिव्यक्ति को सोदाहरण समझाइए।